समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

तीसरे लिंग के तीन उम्मीदवार महाराष्ट्र की नगर परिषद चुनावी लड़ाई मे, ंसमावेशिता का नया अध्याय खुला

Publisher

Published on 19 Nov 2025

महाराष्ट्र में आगामी नगर परिषद चुनावों के मद्देनजर राजनीति का एक नया और ऐतिहासिक आयाम उभरकर सामने आया है: तीसरे लिंग समुदाय के तीन प्रमुख उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल कर राजनीतिक मंच पर अपनी पहचान दर्ज कराई है। यह कदम न सिर्फ समुदाय की समावेशिता को बढ़ावा देता है, बल्कि स्थानीय शासन में लिंग विविधता की ओर भी एक मजबूत संकेत है।

वर्तमान चुनावी प्रक्रिया में सबसे पहली चर्चा में आता है जलबोन के फैयज़पुर से **शंबीहा पाटिल**, जो वंचित बहुजन आघाड़ी की ओर से मैदान में हैं। 40 वर्षीय शंबीहा पाटिल स्नातकोत्तर डिग्री धारक हैं और 2007 से सामाजिक सेवा में सक्रिय हैं। उन्होंने बताया है कि उनका मकसद न सिर्फ तीसरे लिंग समुदाय के हक़ों की लड़ाई लड़ना है, बल्कि सामान्य जनता को भी मानवाधिकारों और समानता के मुद्दों पर संवेदनशील बनाना है।

इसके साथ ही कोल्हापुर के **कागल वार्ड** से **जावेद पिंजारी** एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। जावेद का कहना है कि राजनीतिक दलों में उनकी समुदाय की सीट आरक्षित नहीं की गई, इसलिए वे प्रतिद्वंद्वी बनकर अपने लोगों की आवाज़ उठाना चाहते हैं। तीसरे उम्मीदवार के रूप में, वाशीम के **करंजा लाड** से **श्रवणी हिंगस्पुरे** मैदान में हैं, जो वंचित बहुजन आघाड़ी की टिकट पर चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने न सिर्फ अपने समुदाय बल्कि व्यापक सामाजिक कल्याण के मुद्दों पर ध्यान देने का वादा किया है।

विश्लेषकों का कहना है कि इन तीनों उम्मीदवारों की भागीदारी केवल सांकेतिक नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक अधिकारों और पहचान की राजनीति में एक ठोस झुकाव दर्शाती है। तीसरे लिंग समुदाय को अक्सर राजनीतिक भागीदारी से वंचित रखा जाता रहा है, लेकिन इस तरह की उम्मीदवारी न सिर्फ उनकी आवाज़ को मजबूत करती है, बल्कि अन्य सामाजिक समूहों में भी जागरूकता बढ़ाती है।

राज्य में नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों का कार्यक्रम पहले ही घोषित हो चुका है। महाराष्ट्र चुनाव आयोग ने बताया है कि 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों के लिए मतदान **2 दिसंबर, 2025** को होगा, जबकि मतगणना **3 दिसंबर** को होगी। यह समय ऐसा है जब स्थानीय मुद्दे और प्रतिनिधित्व लोकतांत्रिक रूप से समीक्षा के दायरे में आते हैं, और ऐसे में तीसरे लिंग उम्मीदवारों का मैदान पर होना पूरी तरह मायने रखता है।

तीसरे लिंग उम्मीदवारों की भागीदारी महाराष्ट्र में सिर्फ एक चुनावी घटना नहीं है, बल्कि यह समावेशी दृष्टिकोण के लिए बढ़ता समर्थन भी दर्शाती है। यह उन सामाजिक और राजनीतिक बदलावों का हिस्सा है, जहां पहचान और अधिकारों के मुद्दे लोकतंत्र के हिसाब से महत्त्वपूर्ण हो गए हैं।

अभियान और समर्थन देने वाली पार्टियों की भूमिका भी इस विवाद में महत्वपूर्ण होगी। वंचित बहुजन आघाड़ी जैसे दलों ने इस पहल को अपनाकर तीसरे लिंग समुदाय को प्लेटफॉर्म देने का साहस दिखाया है। इससे यह संकेत मिलता है कि राजनीतिक दल अब पहचान आधारित मुद्दों को गंभीरता से ले रहे हैं और स्थानीय शासन में विविधता को महत्व दे रहे हैं।

हालांकि चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। तीसरे लिंग उम्मीदवारों को मतदान केंद्रों तक पहुंच, मतदाताओं को उनकी वास्तविकता समझाने और स्टिग्मा को पार करने जैसी सामाजिक बाधाओं का सामना करना होगा। लेकिन यह कोशिश ही महत्वपूर्ण है। क्योंकि लोकतंत्र में भागीदारी सिर्फ मतदान तक सीमित नहीं रहती — यह पहचान, मान्यता और प्रतिनिधित्व का भी विषय है।

नागरिकों, अभिभावकों और स्थानीय समुदायों की भूमिका भी इस मामले में अहम होगी। ऐसे उम्मीदवारों को समर्थन देने का मतलब है कि मतदाता न सिर्फ राजनीतिक बदलाव चाहते हैं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में कदम बढ़ाना चाहते हैं।

महाराष्ट्र की यह तीसरे लिंग उम्मीदवारों से सजी हुई स्थानीय निकायों की लड़ाई पूरी तरह ऐतिहासिक है। यदि यह राह सफल होती है, तो यह देश भर में अन्य राज्यों के लिए एक प्रेरणा बन सकती है, जहां लिंग विविधता और पहचान आधारित राजनीतिक भागीदारी अभी भी सीमित है।

समय बतायेगा कि ये तीन उम्मीद वाले उम्मीदवार कितने वोट और समर्थन जुटा पाते हैं, लेकिन उनकी उम्मीदवारी ही यह दर्शा रही है कि लोकतंत्र की दुनिया में परिवर्तन की बयार बह रही है, और हर पहचान का हिस्सा राजनीति में बन रहा है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.